जो महंगाई भत्ता देने का निश्चय किया जाता है उसका प्रभाव पिछले महीनों पर भी पड़ता है, यानी रेट्रोपेक्टिव एफेक्ट भी उसका होता है । इसलिए शासन की यह भावना नहीं है कि पिछला नहीं दिया जायेगा । दो महीने पहले से ड्यू है तो 2 महीने पहले का भी महंगाई भत्ता उनको मिलेगा ।

आल इंडिया एवरेज कन्ज्यूमर प्राइस इंडेक्स की फिगर किसी विशेष महीने को देखने के लिए लेबर ब्यूरो से आंकड़े आते हैं और पिछले महीने के आंकड़े चालू महीने के मध्य में आते हैं, इसलिए इतना समय उसमें लगता है । इसमें शासन की कोई दुर्भावना नहीं है ।

**श्री रामावतार शास्त्री** : जो सी एम में आपने कोई सिद्धांत लागू किया होगा, वह तो आपने बताया नहीं ।

## खेतड़ी कापर के प्रोजेक्ट कार्यालय को कलकत्ता स्थानान्तरित किया जाना

*73. **आचार्य भगवान देव** : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या खेतड़ी कापर प्रोजेक्ट के कार्यालय को खेतड़ी से कलकत्ता स्थानांतरित कर दिया गया है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या इस कारण परियोजना कर्मचारियों को कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ा है ?

THE MINISTER OF COMMERCE AND STEEL AND MINES (SHRI PRANAB MUKHERJEE) (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

**आचार्य भगवान देव** : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी का जवाब हमने देखा । गत मास जब हम कलकत्ते में कापर प्रोजेक्ट कार्यालय का संसदीय राजभाषा समिति की तरफ से निरीक्षण करने गए तो जिम्मेदार अधिकारियों ने हमें बताया कि इसका कार्यालय पहले खेतड़ी में था, कुछ समय पूर्व यह कार्यालय यहां लाया गया है । कार्यालय की जो स्थिति हमने देखी और सरकार की जो नीति है उसको सामने रखते हुए हमने विचार किया कि सरकार चाहती है कि ग्रामीण क्षेत्रों का विकास हो और छोटे-छोटे स्थानों पर इस तरह की सुविधाएं दी जांय जिससे जनता का और सरकार का तथा अधिकारियों का सम्पर्क रहे, तो कलकत्ता में जो कार्यालय खोला गया उसके पीछे सच्चाई क्या है ? यह कार्यालय राजस्थान में पहले था या नहीं और बाद में क्या यह कलकत्ता लाया गया इस की वास्तविकता मंत्री जी बताएंगे । इसके साथ साथ मैं यह जानना चाहता हूं कि सरकार यह कार्यालय जयपुर के अंदर राजस्थान में यदि खोले तो क्या कठिनाई है ? मैं तो इससे भी आगे बढ़ कर जाना चाहता हूं कि जहां पर कापर पैदा होता है वहीं यह कार्यालय सरकार खोले तो अधिकारी और कर्मचारी साथ रह कर उसका विकास कर सकते हैं । खेतड़ी में यह कार्यालय खोला जाय, इसके सम्बन्ध में सरकार की क्या नीति है ? सरकार वहां खोलना चाहती है या नहीं ?

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Sir, the hon. Member is a little confused with the project itself and the head office of it. So far as the Khetri Copper Project office is concerned, it is already in Khetri and the head office of the Hindustan Copper Limited was shifted in 1973—not now—to Calcutta. After that two or three other copper complexes were also brought within the purview of the H. C. L. one in Ghatshila in Bihar and the other in Malanjkhand in Madhya Pradesh. It was thought that the head office should be there. So

far as the project office is concerned, to maintain better relations with the employees and to develop the project concerned, it is already in Khetri. Therefore, this is the rationale which the Government had while shifting the head office.

**आचार्य भगवान देव :** : मंत्री महोदय ने स्वीकार किया है कि खेतड़ी, राजस्थान, और मध्य प्रदेश में कापर का उत्पादन होता है तो सरकार ने बड़े शहरों में ही कार्यालय खोलने का निश्चय क्यों किया ? वहां से कार्यालय हटा कर उस क्षेत्र के अंदर जहां कापर पैदा होता है, इसका कार्यालय खोलने में क्या दिक्कत है ? वहीं क्यों न इसका कार्यालय खोला जाय ? इस सम्बन्ध में सरकार क्या करना चाहती है ? जब वहां सुविधाएं नहीं हैं, कर्मचारियों को वहां जाना आना पड़ता है, इससे कितनी दिक्कतें खड़ी होती हैं और कितनी असुविधाए होती हैं, तो खेतड़ी में यह कार्यालय खोलने में या मध्य प्रदेश या राजस्थान के किसी अन्य स्थान में यह कार्यालय खोलने में क्या दिक्कत है ? इस सम्बन्ध में सरकार अपना स्पष्टीकरण दे ?

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Sir, I have already indicated that apart from Madhya Pradesh, Orissa and Bihar are also there.

SHRI NAWAL KISHORE SHARMA: The Minister had agreed that the office was shifted to Calcutta in the year 1973. Three other companies are brought within the purview of the Copper Project. Because there is a large concentration of population in Calcutta which is already overcrowded, would it not be desirable to shift the office either to Madhya Pradesh or Rajasthan or to Bihar rather than locating it in Calcutta?

And, if not, why not?

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Sir, I cannot make any comment on this suggestion.

**News Item Captioned "Third Airline will Eat into IA Revenue"**

*74. SHRI JANARDHANA POOJARY: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the Press Conference addressed by Shri Begchi, General Secretary, Indian Commercial Pilots Association and published in 'Business Standard' of 16th January, 1981 under the caption "3rd Airline will eat into I.A. revenue"; and

(b) if so, the reaction of Government thereo?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI CHANDULAL CHANDRAKAR): (a): Yes, Sir.

(b) Vayudoot is operating to stations, presently not being operated by Indian Airlines. As such, the question of Vayudoot eating into the revenue of Indian Airlines does not arise. On the other hand, it is expected that the feeder service will provide more passengers for air traval by Indian Airlines services.

SHRI JANARDHANA POOJARY: Sir, it has been stated that the Government is going to give Rs. 20 crores as subsidy to the third airline. Sir, in addition to the existing services the Indian Airlines can operate to new stations if only Rs. 6 crores are given to them. What is the reaction to the government to this?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATON (SHRI A. P. SHARMA): Sir. there seems to be some misunderstanding. The government is not considering to give any subsidy to the third airline. The only concession that has been given to the Vayudoot is reduction in fares to the tune of 13 per cent more than the Indian Airlines. The Indian Airlines